Wednesday August 12, 2026 | Issue 7 Vol 17 | 8 pages | www.fiji.gov.fj

फीजी दर्पण

प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका, अन्य मंत्री मानोआ कमिकमिदा, पब्लिक वोक्स मंत्री रो फिलिपे तुईसवाउ तथा कृषि मंत्री तोमासी तुनाबुना, बुआ में नए झूला पुल पर चित्र: प्रदान किया गया

सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर कदम

रोनल देव

झूला पुल का औपचारिक उद्घाटन होने से बूआ में लोमानिकोरो के कोरोवासियों का नदी पार करने का खतरनाक दौर खत्म हो चुका है।

प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने कोरोवासियों के लिए नए पुल का विमोचन किया। यह नया पुल अब आस-पास के गाँवों के लोगों को सुरक्षित और आसान आवागमन की सुविधा देगा। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जो लम्बे समय से नदी पार करते समय जोखिम उठाते थे।

पुल का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुल केवल एक ढाँचा नहीं है, बल्कि बुआ के लोगों के जीवन, रोजगार और नए अवसरों को बेहतर बनाने वाला महत्वपूर्ण पूँजी है।

प्रधानमंत्री रम्बूका के अनुसार यह योजना सरकार के ऐसे फीजी के निर्माण के प्रयास को दर्शाती है, जहाँ सभी समाज बेहतर तरीके से जुड़े हों और हर व्यक्ति को विकास का समान अवसर मिले।

करीब 1.97 मिलियन डोलर लागत इस पुल को दो चरणों में पूरा किया गया जिससे एक सौ तैतीस (133) परिवारों यानि सात सौ से ज़्यादा लोगों को सीधा लाभ होगा। इसमें दालोमो, तिलिवा, बुआ लोमानिकोरो, नवुनियेवु, वैताबू, लुवुलुवु, तवुसा और नावी के लोग शामिल है।

प्रधानमंत्री रम्बूका ने कहा कि यह योजना, राष्ट्रीय विकास योजना **2025-2029** और फीजी विज़न **2050** के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि मजबूत और जलवायु-प्रतिरोधी बुनियादी ढाँचा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वालों के जीवन को बहेतर बनाने के लिए ज़रूरी है।

उन्होंने सरकार, वनुआ, स्थानीय समुदायों और विकास भागीदारों के सहयोग की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने ज़ोर दिया कि देश का विकास तभी सफल होता है जब समाज भी विकास योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और उन्हें आने-वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखते हैं।

प्रधानमंत्री रम्बूका ने योजना पूरी करने में सहयोग देने के लिए पब्लिक वोक्स मंत्रालय, इंजीनियरों, ठेकेदारों, पारंपरिक नेताओं तथा बुआ के लोगों को धन्यवाद दिया।

फिलहाल, ताईलेवू के नईसाउमुआ कोरो के सत्तर से ज़्यादा परिवारों के तीन सौ साठ से अधिक लोगों को अब आने-जाने की बेहतर सुविधा मिलेगी। कोरो में हालही में नए नई सामुदायिक सड़क बनाई गई है, जिससे लोगों को स्कूल जाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, बाज़ार तथा आपातकालीन मदद तक पहुँचना आसान और सुरक्षित हो गया है। इस योजना पर पचास हज़ार डोलर खर्च किया गया है जिसके तहत चार सौ मीटर लम्बी सड़क बनाई गई है। यह सड़क कोरो का दूसरा रास्ता है। ग्रामीण और समुद्री विकास मंत्री माननीय मोसेसे बुलितावू ने कहा कि यह सड़क सरकार की इस कोशिश का हिस्सा है कि कोरो में रहने वालों को सुरक्षित और अच्छी सुविधाएं मिलें। उनके अनुसार सरकार चाहती है कि विकास में कोई भी गाँव पीछे न छूट जाए।

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

माननीय मानोआ कमिकमिदा को मंत्रीपद वापस सौपा गया

रोनल देव

राष्ट्रपति महामहीम रातू नईगामा लालाबलावू ने सरकारी भवन पर माननीय मानोआ कमिकमिदा को उप प्रधानमंत्री तथा इंडस्ट्रीस, कोमेस, व्यापारिक विकास तथा पब्लिक एंटाप्राईस मंत्री के पद पर शपत दिलाई।
उप प्रधानमंत्री कमिकमिदा ने निष्ठा तथा पद के कर्तव्यों के उचित निर्वहन की शपत ली।

माननीय कमिकमिदा पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है जिनके पास फायनैन्स, एविएशन, बैंकिंग तथा मैन्युफैक्चारिंग क्षेत्र में उच्च पदवी सम्भालने के तौर पर तैतीस सालों से ज़्यादा का अनुभव है।
शपत ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका तथा माननीय कमिकमिदा के परिवार वाले उपस्थित थे।

उप प्रधानमंत्री तथा व्यापार मंत्री माननीय मानोआ कमिकमिदा चित्र: प्रदान किया गया

सरकार देश भर में सरकारी सुविधाओं में और पूँजी लगा रही है

रोनल देव

सरकार देश भर में रणनीतिक स्थानों पर नए सरकारी दफ्तर, कर्मचारियों के निवास स्थान और उन्नत सुविधाओं में और पूँजी लगा रही है। प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने पिछले महीने लौतोका स्थित कमिशनर वेस्टन का निखारा गया दफ्तर का औपचारिक उद्घाटन किया।
ये दफ्तर बहुत खास है जबकि पश्चिमी विभाग, फीजी के सामाजिक और आर्थिक तौर पर एक अहम हिस्सा है जहाँ बड़े-बड़े शहरी केन्द्र, ग्रामीण समुदाय, समुद्र और नदियों के किनारे बस्तियाँ, समुद्री द्वीप, कृषि क्षेत्र और टूरिज़म केन्द्र शामिल है।
इस डिविज़नल कमिशनर वेस्ट ओफिस के हेडक्वाटर में कमिशनर वेस्टन के दफ्तर के साथ, डिस्ट्रक्ट ओफिसा लौतोका/यसावा, जस्टिस ओफ पीस तथा अन्य अईजेन्सीस को एक ही छत के नीचे लाया गया है। सरकार ने इस योजना में तीन मिलियन डोलर से ज़्यादा की पूँजी लगाई है। यह दफ्तर जिसकी हालत काफी बिगड़ गई थी पिछले चालिस सालों से सेवा प्रदान कर रहा है। इतने बड़े क्षेत्र में प्रभावी ढंग से सेवाएं पहुँचाने की ज़िम्मेदारी निभाने के लिए मज़बूत संस्थाओं, समर्पित सरकारी कर्मचारियों और काम के लिए उपयुक्त सुविधाओं की ज़रूरत होती है। इस आधुनिक इमारत से सहयोग को मजबूत बनाया गया है, पहुँच को बेहतर तथा सरकारी सेवाओं की प्रतिक्रिया देने की क्षमता को बढ़ाई गई है।
ये दिखाया गया है कि वह सुरक्षित, आधुनिक और काम के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है जो कुशलता से सार्वजनिक सेवा को बढ़ावा देते हैं। यह पूँजी इसलिए भी खास है क्यों कि 1984 में अपनी तीसरी विंग के पूरा होने के बाद से ही यह सुविधा पश्चिमी विभाग के लोगों को सेवा प्रदान कर रही है। चालीस से ज़्यादा सालों से, यह हेडक्वार्टस फीजी के आर्थिक रूप से सबसे अहम रूप से इलाकों में सरकारी सेवाओं के लिए कोडिनैशन सेंटर बना हुआ है। यह दिन सरकार और पश्चिमी विभाग के लोगों के लिए बहुत ही खास रहा क्योंकि यह योजना दर्शाती है कि सरकार, हमारे समाज को सरकारी सेवा प्रदान करने वाली संस्थाओं तथा लोगों को सशक्त बनाने के लिए कायम है। ये सरकारी संसाधन केवल एक इमारत नहीं है बल्कि यह हमारे सरकारी कर्मचारियों के लिए एक मंच तैयार करता है, ताकि वे कुशलता से अपना काम करें, समाज के साथ जुड़े, विकास के पहल बनाए और इस बात का ध्यान रखें कि हर एक फीजिवासी ज़िम्मेदारी के साथ योग्य सेवा मिलें फिर चाहे वे कहीं भी रहते हो। समय के साथ, इस सुविधा की हालत काफी खराब हो गई थी; इसमें पुराना हो चुका संसाधन, टूटी-फूटी छतें, और ढाँचे से जुड़ी अन्य समस्याएं शामिल थी। इन मुश्किलों के बावजूद, हमारे सरकारी कर्मचारियों ने फीजी के लोगों की सेवा पूरी लगन के साथ जारी रखी। सरकार मानती है कि सरकारी कर्मचारी, सरकार की नीतियों और लोगों के रोजमर्रा के अनुभवों के बीच एक पुल का काम करते हैं। वे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सेवाओं में बदलते हैं, विकास के कामों में तालमेल बिठाते हैं और यह ध्यान में रखते है कि सरकारी सेवाएं हर समुदाय तक पहुँचे, फिर चाहे वे कहीं भी हों। इसलिए, हमारे सरकारी कर्मचारियों और उनके काम के माहौल में पूँजी लगाना सभी फीजिवासियों के लिए बेहतर नतीजों में पूँजी लगाने जैसा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सुविधा केवल एक प्रशासनिक केन्द्र से कहीं अधिक होनी चाहिए। इसे सम्मान, साझेदारी और जुड़ाव का केन्द्र बनना चाहिए – एक ऐसी जगह जहाँ सरकार, समाज, पारंपरिक नेता, व्यवसाय, नागरिक समाज संगठन और विकास भागीदार मिलकर एक तरह के राष्ट्रीय लक्ष्यों की दिशा में काम करें। यह सुनिश्चित करने में कमिशनर वेस्टर्न की भूमिका महत्वपूर्ण है कि हमारे समुदायों की आवाज़ और ज़रूरतों को समझा जाए और उन्हें सरकारी योजना तथा सेवा प्रदान करने में शामिल किया जाए। चाहे हमारे लोग तटीय कोरो, भीतरी इलाकों के समाज, खेती-बाड़ी वाली बस्तियों या हमारे या हमारे समुद्री द्वीपों में रहते हों, सरकार को राष्ट्रीय विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए उन्हें सशक्त बनाना जारी रखना चाहिए। समुदाय केवल सरकारी सेवाओं के प्राप्तकर्ता नहीं हैं, वे विकास में भागीदार हैं। एक मजबूत और अधिक समृद्ध फीजी के निमार्ण के लिए उनका ज्ञान तथा योगदान बहुत ही ज़रूरी है। यह पूँजी उन संस्थानों को मजबूत करने के लिए सरकार की व्यापक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है जो
आर्थिक बदलाव और विकास में मदद करते है। लगातार आर्थिक विकास हासिल करने की फीजी की यात्रा में हर सेक्टर, हर समुदाय और हर क्षेत्र के योगदान की ज़रूरत है। सरकार का लक्ष्य है 2050 तक फीजी की सालाना आर्थिक विकास दर को छ: प्रतिशत तक ले जाना और फीजी को एक उच्च-आमदनी वाला देश बनाना। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सिर्फ आर्थिक पूँजी लगाना ही लाफी नहीं है। इसके लिए असरदार संस्थानों, कुशल
सार्वजनिक सेवाओं, सशक्त समाजों, उत्पादक व्यवसायों और सरकार, प्रायवट सेक्टर और हमारे लोगों के बीच मज़बूत साझेदारी की ज़रूरत है। इस यात्रा में पश्चिमी विभाग की अहम भूमिका है। टूरिज़म, कृषि, मछली पालन, समुद्री गतिविधियों के ज़रिए, यह विभाग फीजी के आर्थिक विकास में अहम योगदान देता है। इसलिए पश्चिमी विभाग में सरकारी संस्थानों की क्षमता को मजबूत करने से न केवल बेहतर सेवाएं मिलेंगी, बल्कि मज़बूत साझेदारियाँ भी बनेंगी। इससे समाज और व्यवसाय राष्ट्रीय उत्पादकता और जी.डी.पी की वृद्धि में ज़्यादा असरदार ढंग से योगदान दे पाएंगे। यह योजना फीजी भर में सार्वजनिक संसाधन को आधुनिक बनाने तथा सेवा को मजबूत बनाने के लिए सरकार की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। 2026-2027 के राष्ट्रीय बजट के माधयम से सरकार उन सुविधाओं और प्रणालियों में पूँजी लगाना जारी रखे हई है जो सेवाओं तक पहुँच में सुधार करती है, विशेष रूप से ग्रामीण, समुद्री और दूरस्थ समाज के लिए।

वतुकउला गोल्ड माईन का मुआवज़ा जारी

रोनल देव

सरकार, फीजी के सबसे लम्बे समय से चल रहे व्यवसाईक झगड़े से असर पड़े लोगों को न्याय और समाधान दिलाना जारी रखे हुई है। इसके चलते वतुकउला गोल्ड माईन के भुतपुर्व कर्मचारियों तथा परिवार वालों को लम्बे समय से मुआवज़ा, अभी भी भरा जा रहा है। सरकार की ओर से 9.2 मिलियन डोलर से शुरू किए गए इस मुआवज़ा कार्यक्रम में उन कर्मचारियों और उनके परिवारों के त्याग को मान्यता दी गई है, जिन्होंने सत्ताईस फरवरी 1991 को शुरू हुए और तैतीस साल से ज़्यादा समय तक चले व्यवसाईक विवाद का सामना किया। पिछले महीने रोज़गार मंत्रालय के पेमनन्ट सकेटरी मरितिनो नेमानी ने माईन के भुतपूर्व कर्मचारियों तथा लाभ उठाने वालों को मुआवज़ा के तेरह लिफ़ाफ़ा दिए। सात लोगों को पैमन्ट मिल चुके है जबकि बाकी छ: लोगों का पैमन्ट, नए आर्थिक साल में किया जाएगा। अभी तक मुआवज़ा के रूप में 7.4 मिलियन डोलर से ज़्यादा भरा जा चुका है, जहाँ 298 लोगों को उनके हक के मुताबिक पूरा पचीस हज़ार डोलर भरा जा चुका है। पाँच लोगों की मृत्यु होने से पहले उन्हें दस-दस हज़ार डोलर दे दिया गया था और अब बाकी पंद्राह हज़ार डोलर उनकी सम्पति सम्भालने वालों को प्रोबईट की प्रकिया पूरी होने के बाद दिया जाएगा। इसके अलावा 1.5 मिलियन डोलर, 63 तिरसठ लोगों को भरा जाना बाकी है, जिनमें वो लोग शामिल है जिन्हें पूरा पैसा नहीं मिला है या उनके प्रोबईट पर काम पूरा नहीं हुआ है।
पेमनन्ट सकेटरी नेमानी ने आगे कहा कि यह प्रोग्रेम सिर्फ आर्थिक मदद के बारे में नहीं है - यह भुतपूर्व कर्मचारियों के हौसले को सम्मान देने और यह पक्का करने के बारे में है कि परिवारों को आखिरकार वह पहचान और मदद मिले, जिसका वे दशकों से इंतज़ार कर रहे है। उन्होंने कहा कि हर पेमन्ट असर पड़े परिवारों के साथ मिलकर काम करने के सरकार के उस संकल्प को दिखाता है, जिसका मकसद फीजी के व्यवसाईक इतिहास के इस लम्बे अध्याय को सम्मानजनक और गरिमापूर्ण ढंग से समाप्त करना है।

रोज़गार मंत्री माननीय अग्नि देव सिंह, वतुकउला गोल्ड माईन के कर्मचारियों को मुआवज़ा देते हुए

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

बेगां के किसान की मेहनत और हिम्मत ने सफलता की राह दिखाई

बेंगा के एक किसान सेवानइया अपनी कड़ी मेहनत से नाव खरीदने में सफल हुए चित्र: प्रदान किया गया

महिमा खान

बेंगा के रहने वाले बयालीस वर्षिए सेवानइया वुलादांद्रा पिछले 20 वर्षों से खेती के जरिए अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि हिम्मत, कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से खेती बेहतर जीवन का रास्ता बन सकती है।

दाकुनी गाँव में अपने घर से सेवानइया यगोना और सब्ज़ियों की खेती करते हैं। इससे वे फीजी के कृषि क्षेत्र में योगदान देने के साथ-साथ अपनी पत्नी सेरेमाना बतिराउ कुनादेई और अपने चार बच्चों का पालन-पोषण भी करते हैं।

खेती से होने वाली आमदनी से उन्होंने गाँव में तीन घर बनाए, 2020 में एक फाइबर ग्लास नाव खरीदी और अपने बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। 2002 में फोर्म 6 में स्कूल छोड़ने के बाद सेवानइया ने बिना किसी औपचारिक कृषि प्रशिक्षण के खेती शुरू की। उन्होंने अनुभव और वर्षों तक ज़मीन पर काम करके खेती सीखी।

उन्होंने कहा, "मैनें स्कूल में कृषि की पढ़ाई नहीं की, लेकिन ज़मीन ने मुझे वह सब सिखाया जो मुझे जानना जरूरी था।" उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती 2023 में आई, जब कावा डाइबैक डिसीज़ (कएडीडी) ने उनकी यागोना की फसल को नष्ट कर दिया और वर्षों की मेहनत बरबाद हो गई।

लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय संक्रमित पौधों को नष्ट किया, नए पौधों की सामग्री लेने नवोसा गए और ज़मीन के एक नए हिस्से में फिर से खेती शुरू की।

उन्होंन कहा, "पौधों को मरते हुए देखना बहुत दुखद था, लेकिन मैने हार मानने से इनकार कर दिया। मेरे लिए हिम्मत का मतलब केवल मुश्किलों से निकलना नहीं है, बल्कि उनसे सीखना और सीख से और मजबूत बनना है।"

यंगोना की फसल तैयार होने का इंतजार करते समय आमदनी जारी रखने के लिए सेवानइया ने मौसम से बाहर टमाटर और अन्य सब्जियों की खेती भी शुरू की। टमाटर की फसल से लगभग 4000 फीजी डोलर की कमाई सकती है। ओफ सीजन में चार बार और मुख्य सीजन में दो बार टमाटर की फसल ली जाती है।

उन्होंने कहा,"जब तक हमारी लंबे समय वाली यागोना की फसल तैयार होती है, तब तक टमाटर की खेती हमें आमदनी का सहारा देती है। हम यंगोना की खेती चरणों में कर रहे हैं। एक द्वीप पर खेती करने के साथ परिवहन का खर्च भी काफी होता है। हर फसल को बाजार पहुँचाया जाता है। नाव का खर्च लगभग 200 फीजी डोलर और ट्रक का खर्च भी लगभग 200 फीजी डोलर होता है।

इन चुनौतियों के बावजूद, सेवानइया भरोसेमंद डिस्ट्रीब्यूटर्स के माध्यम से अपनी उपज बाजार तक पहुँचाते रहते हैं। इससे बेंगा के रहने वाले लोगों को स्थानीय रूप से उगाई गई फसलें मिलती हैं और फीजी की खाद्य सुरक्षा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

उनके परिवार की इस यात्रा को कृषि, जलमार्ग और चीनी उद्योग मंत्रालय के यंगोना कार्यक्रम से भी मदद मिली। इस कार्यक्रम के तहत 2024\2025 आर्थिक वर्ष में उन्हें एक नया फार्महाउस दिया गया। इस घर से खेत तक रोजाना की लंबी पैदल चलने कि यात्रा कम हुई है और परिवार को जमीन पर मिलकर काम करने के लिए अधिक समय मिल रहा है।

कृषि सहायक अधिकारी (बेगाँ) लुइसा मारामा ने कहा कि सेवानइया मेहनत, अलग-अलग फसलों की खेती करने की इच्छा और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता ने समुदाय के किसानों के लिए एक मिसाल बना दिया है।

सेवानइया के लिए सीख सरल है।

उन्होंने कहा,"एक किसान के रूप में अपनी जिम्मेदारी के प्रति हमेशा ईमानदार रहें, भले ही बीमारी, बढ़ती लागत या मुख्य द्वीप तक की लंबी यात्रा जीवन को मुश्किल बना दे, क्योंकि जमीन आपके धैर्य और मेहनत का फल जरूर देगी। मैंने सीखा है कि मश्किलें इस सफर का हिस्सा हैं लेकिन अगर आप अपने काम के प्रति समर्पित रहें और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें, तो खेती हमेशा आपके परिवार का सहारा बनेगी।"

उनकी कहानी हमें याद दिलाती है हर फसल के पीछे एक किसान की मेहनत और हिम्मत होती है। उनकी हिम्मत न केवल उनके परिवार का सहारा बनती है, बल्कि फीजी की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समुदायों को मजबूत करती है।

नंदारिवातू में सरकारी सुविधाएं सुधारी गई

प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका हालही नंदारिवातू में वहाँ के स्कूली बच्चों और टीचरों के साथ चित्र: प्रधानमंत्री दफ्तर

रोनल देव

वितिलेवू के भीतरी इलाके, नन्दारिवातू में प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने हालही में नन्दारिवातू सरकारी स्टेशन, स्टाफ कोटस पर सुधारकार्य, विश्व ग्रामीण विकास दिवस 2026 तथा सरकारी रोड शौ का विमोचन किया।

सरकार ने नन्दारिवातू सरकारी स्टेशन, स्टाफ कोटस पर सुधारकार्य के लिए एक मिलियन डोलर दिया है। प्रधान मंत्री ने कहा कि यहाँ के निवासियों के लिए खुशी का दिन है। वो चाहते है कि ग्रामीण इलाकों में सरकारी संस्थाएं उन लोगों को अपने कोरो वापस लौटने में मदद पहुँचाए जो पढ़ाई या नौकरी के लिए शहरों में बस गए है।

नन्दारिवातू डिस्ट्रक्ट ओफिस पाँच हज़ार सामाजिक सदस्यों को सेवा प्रदान करता है जिनमें बीस कोरो शामिल है जैसे कि सवातू, नम्बोबूद्रो, नवातुसिला तथा नंड्राउ डिस्ट्रक्ट जिनके निवासियों के लिए आज खुशी का ठिकाना नहीं है। ये क्षेत्र नवोसा, बा और नईतासिरी से जुड़े हुए है। सरकार, आम जनता खास करके जो ग्रामीण और बाहरी द्वीपों में रहते है तक अपनी सेवाएं और करीब करने का प्रयास कर रही है। सरकार इस बात का ध्यान रख रही है कि ग्रामीण समाज पीछे न रह जाए तथा वहाँ के निवासियों को भी अवसरों तथा सेवाओं से लाभ हो जिससे उनका जीवन स्तर ओर सुधर सके।

यह पहल सरकारी सेवाओं को एक जगह लाने के लिए है जो यह दर्शाती है कि फीजिवासी चाहे जहाँ भी रहते हो उनके पास भी फीजी के विकास यात्रा में भागीदारी का हक़ है।

यह अवसर सिर्फ इमारतों के विमोचन का नहीं बल्कि अवसरों के दरवाज़े खोलने का है। यह इस बात को ध्यान में रखने का है कि सरकारी सेवाएं, जानकारियाँ, कार्यक्रम तथा अन्य पहल उन लोगों के और करीब लेजाया जाए जिन्हें इनकी बेहद ज़रूरत है। विकास सम्भव नहीं है अगर लोगों को सेवा प्रदान करने वाली संस्थाएं उनसे दूर रहेंगी। इस तरह की पूँजी लगाने से सरकार, आम जनता के बीच संबंध और मज़बूत कर रही है, उन्हें और अवसर प्रदान कर रही है, सोच समझ कर फैसलें कर रही है तथा देश के विकास में योगदान दे रही है।

नन्दारिवातू डिस्ट्रक्ट ओफिस 1800 अट्ठारहवीं शताब्दी से यहाँ के लोगों को सेवा प्रदान कर रहा है। अब एक आधुनिक माध्यम ग्रामीण समाज को सेवा प्रदान करने के लिए तैयार है।

फीजी की राष्ट्रीय विकास योजना 2025-2029, लक्ष्य 2020 तथा विश्व स्तर पर विकास लक्ष्य, इस बात पर ज़ोर देते है कि देश के विकास के लिए ग्रामीण तथा बाहरी द्वीपों के समाज को मजबूत बनाना ज़रूरी है।

इस तरह की पुँजी लगाने से सरकार ग्रामीण समाज में अपनी उपस्थिति को मज़बूत कर रही है, साथही इस बात का ध्यान रख रही है कि सरकारी कर्मचारियों को अपनी पूरी काबिलियत से लोगों को योग्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उनके पास उचित व्यवस्थाएं तथा काम करने का वातावरण हो।

एक आधुनिक सरकारी स्टेशन, इस बात का ध्यान रखेगा कि यहाँ के सरकारी कर्मचारी, यहाँ के समाज के साथ और करीब से काम करें, सबसे पहले उनकी चुनौतियों को समझे, सही समय पर उन्हें जीवन-यापन संबंधी, विकास कार्यक्रम, व्यापारिक अवसर, सामाजिक सेवा, प्राकृतिक विपत्तियों से तैयार रहने के लिए मजबूत बनाने तथा सरकारी सहायता के अवसर खोले।

सरकारी कोटस पर सुधारकार्य भी बेहद ज़रूरी है क्योंकि सरकारी अफसरों को ठहरने के लिए उचित जगह देने से उन्हें ग्रामीण इलाके में ठहरने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा तथा ध्यान में रखा जाएगा कि ग्रामीण समाज में सेवाएं जारी रहे। ग्रामीण समाज में सरकार की उपस्थिति ऐसे कर्मचारियों की ज़िम्मेदारी है जो लगनशीलता से काम करते है तथा समाज के करीब रहते है और दिल से उन्हें सेवा प्रदान करते है।

नंदारिवातू में इन सरकारी कोटस को एतिहासिक महत्व है क्योंकि रातू सर लाला सुकुना कुछ दिनों तक यहाँ ठहरे थे। इसलिए इस एतिहासिक निवास स्थान पर मरम्मत करके उसे सुरक्षित बचाकर रखा गया है।

अमरिका के हालही टैरिफ उपायों से फीजी के निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ा है

रोनल देव

फीजी के विदेश मंत्रालय ने फीजी के निर्यातकर्ताओं तथा अमरिकी बाज़ार में अपना उत्पादन भेजने वाले व्यापारियों को सलाह दी है कि अमरिकी सरकार ने पिछले महीने की चौबीस तारीख को टैरिफ उपायों की जो घोषणा की थी उससे निर्यात में कोई असर नहीं पड़ेगा।

निर्यातकर्ताओं द्वारा सवाल करने के बाद मंत्रालय ने औपचारिक चैनल से पुष्टि करवाई कि अमरिका के व्यवसाईक प्रतिनिधी के द्वारा की गई छानबीन में फीजी उन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल नहीं था जिनपर लागू अधिकतर टैरिफ उपायों का असर पड़ेगा। इसका मतलब है कि फीजी जबकि इस छानबीन का हिस्सा नहीं था तो अमरिका ने निर्यात उत्पादनों पर जो नए टैरिफ की घोषणा की थी वो फीजी पर लागू नहीं होते है।

फीजी का विदेश मंत्रालय, अमरिकी सरकार द्वारा आम की गई जानकारियों पर गौर कर रहा है, जहाँ अमरिका के व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि ट्रैड एक्ट 1974 की धारा 122 पर अस्थाई रूप से जो दस प्रतिशत का टैरिफ लागू किया गया था वो एक सौ पचास दिनों बाद पिछले महीने चौबीस जुलाई को खत्म हो चुका है।

जिन व्यापारियों ने पिछले साल अप्रैल और इस साल फरवरी के बीच टैरिफ उपायों के तहत टैरिफ का भुगतान किया था, वो उपलब्ध रिफन्ड प्रक्रियाओं के बारे में संबंधित अमेरिकी अधिकारियों से सलाह ले सकते है।

विदेश मंत्रालय, फीजी के निर्यातकर्ताओं को सलाह देता है कि वे अमेरिका के सभी ज़रूरी आयात नियमों का पालन करते हुए अमेरिकी बाज़ार में अपना कारोबार जारी रखें। अगर निर्यातकार्ताओं को अचानक टैरिफ से जुड़ी कोई समस्या आती है, तो उन्हें मंत्रालय को इसकी जानकारी देनी चाहिए ताकि सही सरकारी चैनलों के ज़रिए मामले की समीक्षा की जा सके। अमेरिका, फीजी के लिए एक अहम व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। इससे मछली पालन, खेती, बोतलबन्द पानी, यंगोना, कपड़े, लकड़ी तथा दूसरे अन्य उत्पादन जैसे कई सेक्टर के मौके बन रहे है।

फीजी का विदेश मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़ी गतिविधियों पर नज़र रखना जारी रखेगा और साझेदारों के साथ मिलकर फीजी के व्यापारिक हितों की रक्षा करेगा। साथही, यह भी सुनिश्चित करेगा कि निर्यातकर्ताओं को बाज़ार तक पहुँच से जुड़ी गतिविधियों के बारे में समय पर और सही जानकारी मिलती रहे।

देई नलोलो कौपरेटिव ने टूरिज़्म विकास को किया मजबूत

देई नलोलो कौपरेटिव लिमिटड का विमोचन होने से नन्ड्रोंगा/नवोसा के लोगों को अपना व्यापार बढ़ाने, फीजी के टूरिज़्म व्यवसाय में अपनी भागीदारी मज़बूत करने तथा सामूहिक उद्यम के ज़रिए लम्बे समय तक चलने वाली समृद्धि हासिल करने के नए अवसर पैदा हुए है। इस कौपरेटिव की स्थापना दो साल पहले जून में हुई थी जहाँ अब नलोलो के चालीस सदस्य साथ मिलकर काम करते है जो पहले अलग-अलग अपने ट्रान्सपोट का व्यापार चला रहे थे। साथ मिलकर काम करने से कौपरेटिव के सदस्य, एर्यापोट तक यात्रियों को लाने-लेजाने, टूरिस्टों को घुमाने, कार्यक्षमता बढ़ाने, सेवा के स्तर बढ़ाने तथा व्यावसायिक अवसरों तक पहुँच में सुधार करने में सफल हुए है। मुख्य विशेषता यह रही है कि कौपरेटिव ने बारह एल हईच लाएसेन्स गाड़ियाँ तथा दो औटबोर्ड मोटो नावों का विमोचन किया जिससे सदस्यों के लिए आमदनी के और अवसर पैदा होंगे, साथही यातायात की सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं देने की सहकारी संस्था की क्षमता भी बढ़ेगी।

नए क्रोसिंग से लोंबाउ कोरो तक सुरक्षित पहुँच सम्भव

पिछले बीस से ज़्यादा सालों से नावुआ के लोंबाउ कोरो के परिवार, स्कूल, खेत, स्वास्थ्य सेवाओं और अपने घरों तक पहुँचने के लिए बाढ़ चड़ी छोटी नदी को लकड़ी के पुराने तख्तों तथा नारियल के तनों के ज़रिए पार करते थे, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा रहता था।
अब एक नए फुटपाथ और फुटक्रोसिंग के बनने से यह स्थिति बदल गई है, जिससे लोगों के आने-जाने का एक सुरक्षित और भरोसेमंद रास्ता मिल गया है। ग्रामीण और बाहरी द्वीपों के विकास मंत्रालय के कम्युनिटी एक्सेस रोड्स, फुटपाथ्स एंड फुटब्रिजेज़ कार्यक्रम के नीचे इस योजना में चालीस हज़ार डोलर लगाया गया है। इससे लोंबाउ के तीन सौ ज़्यादा ग्रामीणों को सीधा फायदा होगा तथा नमोसी इलाके के पाँच पड़ोसी कोरो को भी लाभ होगा।

विरिया कोरो में राहत केन्द्र का नीव डाला गया

नईतासिरी के विरिया कोरो में 1.6 मिलियन डोलर लागत दो मंजिला राहत केन्द्र की योजना पूरी होने से आपातकालीन और रोजमर्रा की सामाजिक ज़रूरतों को पूरा किया जाएगा। पब्लिक वोक्स मंत्री माननीय रो फिलिपे तुईसवाउ ने इस योजना का नीव डालते हुए ऐसा कहा। उन्हों ने कहा कि यह गठबंधन सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत आपातकालीन स्थितियों से निपटने की क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ उन समाजों को भी लाभ पहुँचाया जा रहा है जिनके पास उचित संसाधन नहीं है और जिन्होंने फीजी के राष्ट्रीय विकास में योगदान दिया है।'विरिया कोरो ने फीजी के विकास में अहम भूमिका निभाई है जहाँ उन्होंने कच्चे पानी के स्रोत के निर्माण की अनुमति देकर कोरो ने एक ज़रूरी संसाधन योजना को संभव बनाया है, जिससे सूवा के अधिकांश इलाका और आस-पास के निचले इलाकों में बसे लोगों के लिए पानी की सुरक्षा मजबूत होगी।"

दिकोम्बिया में पानी की सुविधा से ज़िन्दगी बेहतर हुई

लाउ ग्रुप के दिकोम्बिया कोरो के लोगों के लिए अब पीने के लिए सुरक्षित और साफ पानी मिलना मुमकिन हो गया है। वहाँ एक नया बोरहोल वोटा सप्लाई सिस्टम शुरू किया गया है, जिससे इक्कीस घरों और लगभग पचास निवासियों को पानी मिलेगा। इस योजना का विमोचन करते हुए लेन्ड्स और मिनरल रिसोसस मंत्री फिलिमोनी वोसारोंगो ने कहा कि नया वोटर सिस्टम कोरो के लोगों की रोज़मर्रा की ज़िन्दगी को बेहतर बनाएगा। यह सिस्टम पानी का एक टिकाउ और भरोसेमंद स्रोत देगा और साथही ग्रामीण और समुद्री इलाकों में रहने वाले लोगों तक ज़रूरी सेवाएं पहुँचाने के सरकार के संकल्प को भी दिखाएगा। लगभग एक लाख अस्सी हज़ार लागत इस योजना को मंत्रालय के 'ग्राउंडवोटर असिस्टेंस प्रोग्राम' के तहत फंड किया गया है। टज़घश में बोरहोल की सफल ड्रिलिंग से पहले इसके लिए ज़मीन के नीचे पानी की विस्तृत जाँच की गई थी।

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

रेसकोस होटल में पूँजी से बा की अर्थव्यवस्था बुलन्दी की राह पर

रोनल देव

नमोसाउ बा में 25 मिलियन डोलर लागत रेसकोस अज़ूआ लगून रिज़ोट एंड लेज़ा क्लब अपाटमेन्ट योजना में पूँजी लगाने से बा की अर्थव्यवस्था में भारी उछाल होने की उम्मीद है।

बा में बनने वाली इस तरह की पहली योजना है जहाँ बा के निवासी तथा यहाँ आने वाले महमानों के लिए ठहरने की एक सुखद व्यवस्था होगी।

इसका डिज़ाईन, फोर आर एलेक्ट्रीट एंड जेनरल कोन्ट्रेक्टस ने किया है तथा निमार्ण कार्य भी उन्हीं द्वारा किया जाएगा।

बा में ठहरने के लिए योग्य जगह की भारी माँग है जो इस योजना से पूरी होने की उम्मीद है। फिर चाहे वे व्यापार के लिए सफर करने वाले हो, टूरिस्ट, खेलकूद की टीमें, परिवार से मिलने आ रहे रिशतेदार, आधुनिक मेहमान नवाज़ी की व्यवस्था हो, इनकी माँगें बढ़ती जा रही है।

योजना का नीव डालते हुए, प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने कहा कि यह योजना पूरी होने पर बा में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी, मेहमानों द्वारा वहाँ पर ज़्यादा खर्च किया जाएगा जिससे स्थानीय व्यापारियों, रेस्टुरन्ट, ट्रान्सपोट की सेवा देने वाले, किसान तथा छोटे और मध्य वर्ग के व्यापारियों को और लाभ होगा। इसका सकरात्मक प्रभाव हमारे देश की अर्थ-व्यवस्था पर होगा। फीजी में पूँजीपति यानि इन्वेस्टर का भरोसा बड़ रहा है जिसका जीता जागता सुबुत हमारे सामने है जहाँ प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने नमोसाउ बा में रेसकोस लगून रिज़ोट और लेज़ा क्लब अपाटमेन्ट्स योजना का नीव डाला यानि ग्राउन्ड ब्रेकिग की।

दुनिया भर में कई आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, फीजी में पुँजीपतियों का भरोसा बरकरार है तथा वे योजनाओं में पूँजी लगाना जारी रखें हुए है। इस रेसकोस लगून रिज़ोट और लेज़ा क्लब अपाटमेन्ट्स विकास योजना पचीस मिलियन डोलर लागत का है तथा इसे पूरा करने में कई नौकरियाँ पैदा होंगी। निमार्ण कार्य के दौरान इंजिनियस, आटिटेक्ट, मज़दूरों, कोन्ट्रेक्टस, ट्रान्सपोट औपरेटर तथा स्थानीय उत्पादित सामानों की भी माँगें बढ़ेंगी। सरकार अपने लक्ष्य पर कायम है कि 2050 तक फीजी को एक अमीर देश बनाया जाए। सरकार अकेले इस लक्ष्य को पूरा नहीं कर सकती है तथा उन्हें पूँजीपतियों के सहयोग की ज़रूरत है। फीजी में लगभग 58 प्रतिशत लोग शहरों में बसे है तथा इसकी संख्या बड़ती जा रही हैं। कई लोग ग्रामीण और बाहरी द्वीपों को छोड़कर शहरों में रहना ज़्यादा पसन्द कर रहे है तथा ठहरने की उचित व्यवस्था, उचित संसाधन, आधुनिक

सार्वजनिक सेवा तथा सामाजों की माँगें बड़ती जा रही है।

नमोसाउ बा में 25 मिलियन डोलर लागत, रेसकोस अज़ुआ लगून रिज़ोट और लेज़ा क्लब अपाटमेन्ट्स योजना पूरी होने पर यह लम्बे समय के लिए होटल तथा अपाटमेन्ट के लिए कई नौकरियाँ पैदा करेगी जैसे होटल के कर्मचारी, मईनटेनन्स, सिक्युरिटी तथा प्रोपटी मेनेजमन्ट के क्षेत्र में। इससे घरेलू आमदनी, हुनर बढ़ाने तथा युवा नागरिकों के लिए नए अवसर प्रदान करेंगे जो नौकरी के पेशा में दाखिल होने वाले है। बा अब एक मजबूत कृषि क्षेत्र से बढ़कर पशचिमी विभाग के मुख्य कोमेशल सेन्टर में बदल चुका है। बा शहर बड़ता जा रहा है, तथा संसाधन और सेवाओं की माँगें बढ़ गई है जो फीजी की बदलती अर्थव्यवस्था को सहयोग दे सके। कोई भी छोटी सी पूँजी हमारी अर्थ-व्यवस्था को मजबूत करती है जिससे हमारे लोगों के लिए कई अवसर पैदा होते है।

रा में नईलावा पुल खुलने से आवा-जाही में सुधार

रा में नया पुल बनने लोगों की खुशियों का ठिकाना नहीं है जबकि उनका जीवन सुखद हुआ है चित्र: प्रदान किया गया

रोनल देव

रा में तोकईमालो कोरो के एक हज़ार पाँच सौ के करीब कोरोवासियों तथा आस-पास के कोरोवासियों के लिए नया पुल बनने से उनके पास अब सुरक्षित और भरोसेमंद रास्ता हो गया है। इससे स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, बाज़ारों, सरकारी सेवाओं और पूजा स्थलों तक आना-जाना आसान हो गया है साथही खेती और स्थानीय व्यवसायों को भी बढ़ावा मिला है। सरकार ने इस योजना के लिए छ: लाख छब्बीस हज़ार डोलर से ज़्यादा ($626,582.56) दिया है। पुल का निर्माण पिछले साल अकटूबर में शुरू हुआ तथा नौ महीने में काम पूरा हुआ। यह पुल तोकाई मालो जिले में एक अहम कड़ी का काम करता है, जिससे नईलावा, नमातावेईकाई, वुनिसेया तथा नबालाबाला कोरो को फायदा होता है तथा नलावा तथा सईवउ जिलों से संपर्क बेहतर होता है।

पब्लिक वोक्स मंत्री रो फिलिपे तुईसवाउ ने पुल का उद्घाटन करते हुए कहा कि गठबंधन सरकार ऐसी उच्च कोटी तथा मौसम का सामना करने वाले सुविधाओं में पूँजी लगाने पर अटल है जो फीजी के लोगों, खास करके ग्रमीण समाज के जीवन को बेहतर बनाती है। पिछले साल और इस साल के बीच समुद्री आँधी मौसम के दौरान समुद्री आँधी वैयानू और लम्बे समय तक बारिश के कारण हुई देरी के बावजूद, यह योजना सफलतापूर्वक पूरी की गई।

मंत्री तुईसवाउ ने पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के वेस्टन डिवीज़न, इंजीनियरों, ठेकेदारों, तकनीकी टीमों और स्थानीय समाज की लगन की तारीफ की।

"हमारे किसानों के लिए इस पुल का मतलब है, बाज़ार तक फसल और पशुओं को आसानी से लेजाना। हमारे बच्चों के लिए, स्कूल तक सुरक्षित पहुँच, परिवारों के लिए, स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन मदद तक तेज़ी से पहुँच, जबकि व्यवसायों को व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के बेहतर मौकों से फायदा होगा।"

सौशल वेल्फेयर सहायता पाने वालों का इंशुरन्स स्कीम रोक दिया गया

रोनल देव

महिला, बच्चें और सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय, सौशल वेल्फेयर सहायता पाने वालों तथा आम जनता को सुचित कर रहा है कि सरकार, फायनैन्स मंत्रालय की मदद से सौशल वेल्फेयर सहायता पाने वालों को जो इंशुरन्स स्कीम के नीचे पैसे देती थी वो 2026-2027 आर्थिक साल यानि पहली अगस्त 2026 से बन्द कर दी है।

इस स्कीम के तहत, सहायता पाने वालों को अंतिम संस्कार में मदद, आग से हुए नुकसान के लिए मुआवज़ा और दुर्घटना से जुड़े दावों के लिए एक बार आर्थिक सहायता दी जाती थी।

संसद को 2026-2027 राष्ट्रीय बजट की मंज़ूरी मिलने के बाद यह स्कीम बन्द की गई है, क्योंकि इस बजट में स्कीम को जारी रखने के लिए पैसे अलग नहीं किए गए है।

हालाकि यह स्कीम बन्द हो चुकी है, लेकिन असर पड़े इलाकों में वर्तमान कार्यक्रमों और संबंधित सरकारी एजेंसियों के ज़रिए सरकारी मदद जारी रहेगी।

2026-2027 आर्थिक साल में सरकार ने आग से हुए नुकसान की राहत के लिए महिला, बच्चें और सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय के लिए

पचहत्तर हज़ार 75,000 डोलर अलग किया है, जबकि आग में नष्ट हुए घरों को फिर से बनाने में सहायता देने के लिए हाउजिंग मंत्रालय को 200,000 दो लाख डोलर दिया है।

इसके अलावा, संबंधित सरकारी एजेंसियों तथा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लावारिस शवों का क्रियाकम तथा स्वास्थ्य संबंधी अन्य सहायता जारी रहेंगी।

2026-2027 आर्थिक साल के लिए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए लगभग 184 मिलियन डोलर अलग किया है। सरकार अभी भी अटल है कि वो कमज़ोर लोगों तथा परिवार वालों को विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा सहायता प्रदान करना जारी रखेगी जिनमें फेमली असीस्टन्स स्मीम, चाएल्ड प्रोटेक्शन अलावन्स, डिसाबिलिटी अलावन्स स्कीम, सौशल पेंशन स्कीम, ट्रान्सपोट असीस्टन्स प्रोग्रेम तथा ग्रामीण इलाकों की गर्भवति माताओं को मिल रहे अलावन्स शामिल है।

सरकार अपने सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर लगातार नज़र रखना जारी रखेगी और भविष्य में नीति तथा बजट पर चर्चा के दौरान सामाजिक कल्याण योजनाओं से लाभ उठाने वालों के लिए बीमा योजना पर फिर से विचार कर सकती है। अगर कोई बदलाव होता है, तो जनता को उसके अनुसार सूचित किया जाएगा।

मंत्रालय उन सभी हितधारकों का दिल से आभार व्यक्त किया है

जिन्होंने पिछले कुछ सालों में योजना के संचालन और उसे कार्यरूप देने में योगदान दिया है। इंशुरन्स स्कीम तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा कार्यकम रोकने के बारे में अधिक जानकारी तथा पूछताछ के लिए सहायता पाने वाले तथा आम जनता से माँग की जा रही है कि वे सौशल वेल्फेयर या महिला, बच्चे तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय के नज़दीकी दफ्तर या सामाजिक सुरक्षा हेल्प लाईन 1561 या इमैल mwcspcomplaintshelpline@gmail.com पर संपर्क कर सकते है।

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

नान्दी में अस्सी (80) मिलियन डोलर का प्रस्तावित दामोदर सिटी बनने की योजना

रोनल देव

पश्चिमी विभाग में कई सौ की संख्या में नौकरी की तलाश करने वाले युवा, नए बाज़ार की खोज करने वाले छोटे व्यापारी तथा घर के और नज़दीक सेवाएं हासिल करने वाले परिवारों के लिए अच्छी खबर है क्योंकि नान्दी में एक भारी योजना शुरू होने से वहाँ की आर्थिक गतिविधियों में भारी उछाल की उम्मीद है।

नान्दी में बनने जा रही अस्सी मिलियन डोलर लागत प्रस्तावित दामोदर सिटी से छ:सौ अस्सी से ज़्यादा नौकरियाँ पैदा होने की आशा की जा रही है। इनमें रिटेल, अतिथी सेवा, टेकनोलोजी तथा मेनेजमन्ट जैसे क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर मिलेंगे। स्थानीय कोन्ट्रैक्टर, सप्लायर, किसान, कारोबार करने वाले और नए व्यापारियों को भी इससे अतिरिक्त लाभ मिलने की उम्मीद है।

फायनैन्स मंत्री माननीय एसरोम इमैनुएल ने हालमें अस्सी मिलियन डोलर के प्रस्तावित दामोदर सिटी नान्दी विकास योजना का नीव डाला। फीजी के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक हिस्सा में एक में प्रायवट सेक्टर द्वारा पूँजी लगाने से बड़े विस्तार का प्रतीक है। इस विकास को सिर्फ एक कमर्शियल सेंटर से कहीं ज़्यादा के तौर पर पेश किया गया है। एक आधुनिक लाइफस्टाइल इलाका बनाने की योजना है, जहाँ एक ही जगह पर खरीदबीन, डाइनिंग, मनोरंजन, रहने की सुविधा और मिलकर काम करने की जगहें उपलब्ध होंगी। माननीय मंत्री ने कहा कि अस्सी मिलियन डोलर की पूँजी, फीजी की अर्थव्यवस्था में भरोसे का एक ज़बरजस्त संकेत है।

उनके अनुसार यह योजना सरकार और प्राइवट सेक्टर के बीच लगातार सहयोग की अहेमियत को दिखाता है, खासकर तब, जब फीजी व्यापाक विकास, रोजगार पैदा करने और आर्थिक रूप से ज़्यादा मज़बूत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस विकास से नान्दी में अंतरराष्ट्रीय टूरिज़म पर नान्दी की स्थापित भूमिका और मजबूत होने की उम्मीद है। आम कामकाजी घंटों के बाद भी गतिविधियों को बढ़ावा देकर, यह इलाका एक सुरक्षित और ज़्यादा चौबीस घण्टें चलने वाली अर्थव्यवस्था में योगदान देगा, टूरिस्टों को ज़्यादा खर्च करने के लिए नई जगह उपलब्ध कराएगा।

यह योजना सूवा में दामोदर ग्रुप के मौजूदा डेवेलोपमन्ट और दामोदर सिटी लम्बासा में उनके साठ मिलियन डोलर की पूँजी के बाद आया है। इससे कई सालों तक बाज़ार पर निगरानी रखने तथा योजना बनाने के बाद, कम्पनी की मौजूदगी पश्चिमी विभाग तक बढ़ रही है। प्रस्तावित इलाका -खरीददारी-भोजन-मनोरंजन-ठहरना- के मंच पर काम करेगा, साथही इसमें ऐसी जगहें भी होंगी जो फीजी की संस्कृति, पारिवारिक जीवन और सामुदायिक मेलजोल को दर्शाती हों। फायनैन्स मंत्री ने कहा कि इस स्तर की पूँजी कई क्षेत्रों में गतिविधियों को फैलाकर तथा परिवारों की आमदनी को मजबूत करके राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को गहरा बनाने में मदद करता है।

घर मिलने से 31 परिवारों के सपने पूरे हुए

नेपानी सबडिविज़न में हाउजिंग अथोरिटी द्वारा बनाए गए घर चित्र: प्रदान किया गया

रोनल देव

इक्तीस 31 परिवारों का सपना साकार हुआ जब उन्हें नसिनू स्थित हाउजिंग अथोरिटी के नेपानी सबडिविज़न में अपने पहले घर की चाबियाँ सौपी गई।

परिवारों को घर की चाबियाँ प्रदान करते हुए प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने कहा कि यह सरकार के उस संकल्प में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसके तहत फीजी के ज़्यादा परिवारों को सुरक्षित, पर्याप्त और सस्ते घर मिलेंगे।

यह राष्ट्रीय विकास योजना 2025-2029 और राष्ट्रीय हाउजिंग पोलिसी 2025-2030 के तहत सरकार के उस लक्ष्य को भी दिखाता है,

जिसमें सस्ते घर के मालिकाना हक तथा समाज को प्राथमिकता दी गई है।

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने सरकार के फस्ट होम औनाशिप ग्रांट सहायता कार्यक्रम यानि पहला घर खरीदने या बनाने के लिए सहायता कार्यक्रम पर ज़ोर दिया, जो कम और मध्यम आमदनी वाले परिवारों को ज़्यादा मदद देता है।

संशोधित कार्यक्रम के तहत:

* जिन परिवारों की कुल सालाना आमदनी तीस हज़ार डोलर या उससे कम है, वे अपना पहला घर खरीने के लिए तीस हज़ार डोलर तक या घर बनाने के लिए चालीस हज़ार डोलर तक सहायता के हकदार हैं।
* जिन परिवारों की आमदनी तीस हज़ार डोलर और साठ हज़ार डोलर के बीच है, वे अपना पहला घर खरीदने के लिए पंद्राह हज़ार डोलर या घर बनाने के लिए बीस हज़ार डोलर सहायता के हकदार हैं।

खास बात यह है कि घर पाने वाले इक्तीस परिवारों में से 28 यानि अट्ठाईस लगभग नब्बे प्रतिशत परिवार पहली श्रेणी के तहत आते हैं। इससे पता चलता है कि संशोधित कार्यक्रम सफलतापूर्वक उन लोगों तक पहुँच रहा है जिन्हें सरकारी मदद की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। इस समारोह में तीन दशकों से ज़्यादा समय के बाद हाउसिंग अथोरिटी की घर बनाने के काम में वापसी का भी जश्न मनाया गया। नेपानी में बने एक सौ एक मोडल घर, पूरे फीजी में वाजिब और खराब मौसम का सामना करने में सक्षम घरों की संख्या बढ़ाने के एक बड़े राष्ट्रीय हाउसिंग कार्यक्रम का हिस्सा है। इसके अलावा दावुईलेवू, तावाकुम्बु, तादिरूआ, वर्खकोम्बा और वाइला में भी और विकास कार्य चल रहे हैं। हाउसिंग मंत्रालय घर पाने वाले सभी परिवारों को इस जीवन बदलने वाली उपलब्धि पर बधाई देता है। साथही, वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर फीजी के लोगों के लिए घर के मालिकाना हक से मिलने वाली सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता पाने के और मौके बनाने के लिए अटल है।

ज़रूरी सूचना

महिमा खान

हम अभी कवाकवा और दोनू मछलियों को मारने पर लगाए गए मौसमी रोक के तीसरे महीने में हैं। यह रोक इस साल पहली जून से सितम्बर महीने के अंत तक लागू है। इसका मकसद है इन जरूरी मछलियों को उनके बच्चे पैदा करने के समय को सुरक्षित रखना। ओफशोर फिशरीस मेनेजमेंट कानून के चौथे नियम के तहत इस प्रतिबन्ध का पालन न करना जुर्म है। यह रोक फीजी में मछलियों की संख्या बढ़ाने और समुद्री जीवों को बचाने के सफल प्रयासों में से एक माना जाता है। इससे मछलियों को अंडे देने, बढ़ने और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए जरूरी समय मिलता है। आइए, हम इस अच्छे काम को जारी रखें, प्रतिबंध का पालन करके और इसके बारे में दूसरों को बताकर, हम अपने समुद्री जीवों की रक्षा करें और फीजी के मछली व्यवसाय के लिए एक बेहतर और टिकाउ भविष्य बनाएं। अपना योगदान दें- मछलियों को बढ़ने और अपनी संख्या बढ़ाने का मौका दें।

पिछले महीने सूवा में फिशिरिज़ अधिकारियों ने प्रतिबन्ध लगी मच्छलियाँ ज़ब्त की

Wednesday August 12, 2026 | Issue 7 Vol 17 | 8 pages | www.fiji.gov.fj

फीजी दर्पण

बी.एस.पी. लाईफ की एक सौ पचासवीं वर्षगाँठ

प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका सूवा स्थित ग्रेन्ड पैसिफिक होटल में बी.एस.पी लाईफ की एक सौ पचासवी वर्षगाँठ के मौके पर बी.एस.पी की कर्मचारियों के साथ चित्र: प्रदान किया गया

शेनल देव

सूवा स्थित ग्रेन्ड पैसिफिक होटल में बैन्क ओफ दी साउथ पैसिफिक लाइफ का एक सौ पचासवाँ वर्षगाँठ का जश्न मनाया गया जहाँ मुख्य मेहमान प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतने अहम पड़ाव कम ही देखने को मिलते है।'एक दशक तक टिके रहना तारीफ के काबिल है। एक सदी तक टिके रहना तो वाकई कमाल की बात है, एक सौ पचास सालों तक कामयाब बने रहने के लिए कुछ बहुत गहरी चीज़ों की ज़रूरत होती है, जैसे कि:

- दूरदर्शी सोच, मुश्किलों से उबरने की क्षमता, दृढ़ता और एक ऐसे मकसद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता जो संगठन को एकजुट रखे।
- एक ऐसा मकसद जो पीढ़ियों तक चले। एक ऐसा मकसद जो एक जीवन-लक्ष्य बन जाए। एक ऐसा मकसद जो लोगों पर केंद्रित हो।

बी.एस.पी लाईफ की कहानी, फीजी के सफ़र से गहराई से जुड़ी हुई है। 1874 में फीजी को ग्रेट ब्रिटेन को सौपें जाने के दो साल बाद, इसने (Colonial Mutual Life Assurance Society Limited) ब्रॉंड के तहत अपना कामकाज शुरू किया। पिछले एक सौ पचास सालों में जैसे-जैसे फीजी आधुनिक प्रशाँत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़े है, बी.एस.पी. लाईफ बदलाव के हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा।

प्रधान मंत्री ने कहा कि बी.एस.पी ने मुश्किल समय में सुरक्षा दी है और हमारे लोगों को यह भरोसा दिलाया है कि आने वाला कल आज से बेहतर हो सकता है। बी.एस.पी लाईफ की कहानी ग्राहकों, कर्मचारियों, सेल्स सलाहकारों और हमारे समाज के अनुभवों से बनती है।

यह उन लोगों की कहानी है जिन्होंने एक मज़बूत विरासत बनाने में विश्वास रखा; ऐसे लोग जो यह समझते थे कि सफलता का पैमाना सिर्फ आर्थिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि परिवारों और समाज पर पड़ने वाला सकारात्मक असर भी है। यह सालगिरह हमें याद दिलाती है कि हर पीढ़ी को एक जिम्मेदारी मिलती है – सिर्फ विरासत को बचाए रखने की नहीं, बल्कि उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए और मज़बूत बनाने की भी।

बी.एस.पी. लाईफ का मकसद है लोगों को उनकी कीमती चीज़ यानि उनके अपनों की सुरक्षा में मदद करना और साथही देश की तरक्की में योगदान देना। यह मकसद आज भी उतनी ही ज़रूरी है और समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

हमारी अर्थ-व्यवस्था बढ़ रही है, हमारा टूरिज़्म क्षेत्र मौकों का एक अहम ज़रिया बना हुआ है, रेमिटेंस -विदेश से भेजा गया पैसा कई परिवारों को सहारा दे रहा है, और कई व्यापार हमारे भविष्य में भरोसे के साथ पूँजी लगा रहे है। स्वास्थ्य और तंदरूस्ती को बढ़ावा देने में उनकी नेतागिरी की भूमिका हमें गैर-संक्रामक बीमारियों के बुरे असर से लड़ने में मदद करती है। पूँजी को बढ़ावा देने में बी.एस.पी लाईफ की अहम भूमिका का हमारी अर्थव्यवस्था की बढ़न्ती पर बड़ा असर पड़ेगा। वे फीजी नेशनल प्रोविडेंट फन्ड के बाद फीजी में दूसरे सबसे बड़ी संस्था है जो पूँजी लगाती है।

''जब उनकी पूँजी एक बिलियन डोलर तक पहुँचा, तो मुझे मुख्य अतिथि बनने का सम्मान मिला था, और अब यह दो बिलियन डोलर की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है,'' प्रधान मंत्री रम्बूका ने कहा।

अगले छ: महीने में बी.एस.पी लाईफ, फीजी एर्या वैस के साथ मिलकर देनाराउ में तीन नए होटल शुरू करेगा जो सोफिटेल (Sofitel) होटल के साथ जुड़ेंगे। इसके अलावा दुबई की केर्जनर गुप (Kerzner Group) के साथ मिलकर वे यसावा गुप में 2029 में वन एंड ओनली (One & Only) ब्रांड के तहत एक शानदार और बेहद लग्ज़री प्रोपर्टी बनाएंगे।